भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
सैन्य कार्य विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 684
16 सितम्बर, 2020 को उत्तर के लिए

सैनिकों का हताहत होना

684. श्री जी.एम. सिद्देश्वर :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अधिक ऊंचाई पर सेवा कर रहे कुछ सैनिक हताहत हुए हैं ;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) इस प्रकार सैनिकों को हताहत होने से बचाने तथा सियाचिन जैसे काफी ऊंचाई वाले स्थानों पर कार्य कर रहे सैनिकों को अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रीपाद नाईक)

(क) और (ख): जी, हां । विगत तीन वर्षों के ब्यौरे निम्नानुसार हैं :-

वर्ष	सांघातिक मौतें
2017	06
2018	08
2019	08

सियाचिन ग्लेशियर और अधिक ऊंचाई वाले अन्य स्थानों पर मौतों के कारण प्रत्यक्ष रूप से उच्च तुंगता कारणों जैसे उच्च तुंगता पलमोनरी इडीमा (एचएपीओ) और पलमोनरी थ्रम्बो एम्बोलिज्म (पीटीई) से लेकर अन्य सामान्य कारणों से संबंधित हैं ।

(ग): भारतीय सेना की तैनाती जम्मू और कश्मीर में सीमा के साथ अत्यधिक जोखिमभरे भू-भाग में की जाती है जहां सैनिकों के लिए हिम-विदर, हिम-स्खलन और मौसम से संबंधित अन्य आपदाओं का खतरा लगातार बना रहता है । सरकार मौतों को रोकने हेतु भर्तीपूर्व चिकित्सा जांच, सभी चिकित्सा सोपानकों पर अपेक्षित चिकित्सा कवर जो कि किसी भी उच्च तुंगता रुग्णता से निपटने के लिए पूर्ण रूप से सज्जित है, सख्त जलवायु अनुकूलन कार्यक्रम, विशेषीकृत प्रशिक्षण का प्रावधान, केरोसीन तेल के प्रावधान के साथ विशेष आवास शैल्टर, विशेषीकृत वस्त्र का प्रावधान और उच्च गुणवत्ता का राशन मुहैया कराना जैसे कई कदम उठाती है । नियमित रूप से परामर्शी जारी करने के अलावा, बचाव मिशनों, दुर्घटनाओं को रोकने और घायलों को तत्काल और समय पर सुरक्षित बचाने को सुनिश्चित करने हेतु आधुनिक प्रौद्योगिकीय उपस्करों का उपयोग करने संबंधी कदम भी उठाए जाते हैं ।

*****